an>

Title: Need to ban import of synthetic Menthol.

श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल): मैं सरकार का ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय सिंथेटिक मैंथॉल के दुप्रभाव से भारतीय प्राकृतिक मैंथॉल, किसानों व उत्पादों को बचाने की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। भारतीय मैंथॉल ऑयल एवं उद्योग एक निर्यातोन्मुख उद्योग है। यह उद्योग करीब 25 लाख किसानों, जिनमें प्रमुखतः मेरी लोक सभा क्षेत्र सम्भल सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब व मध्य प्रदेश के क्षेत्र शामिल हैं, की जीविका का साधन है। लघु व छोटे उत्पादों का यह उद्योग किसानों की जीविका का भी एक मात्र साधन है। इसके निर्यात से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा का भी अर्जन होता है। मैंथॉल की खेती करके किसानों द्वारा मैंथॉल ऑयल का उत्पादन किया जाता है जो कि बड़े पैमाने पर खाद्य पदार्थों, सौन्दय प्रसाधनों एवं फार्मा उद्योग में एक कच्चे माल के रूप में प्रयोग किये जाते हैं। हाल ही में कुछ विदेशी कम्पनियॉं नई तकनीकों का प्रयोग करके पैट्रोलियम पदार्थों व केमिकलों द्वारा सिंथेटिक मैंथॉल का निर्माण कर रही हैं और सिंथेटिक मैंथॉल को भारतीय बाजार में प्राकृतिक मैंथॉल की तुलना में काफी कम मूल्य पर बेच रही हैं। इसका दुष्टप्रभाव भारतीय विदेशी विनिमय पर भी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 5514.28 करोड़ रूपये, 2013-14 में 4526.80 करोड़ रूपये, 2014-15 में 3160.29 करोड़ रूपये और 2015-16 में 1021.06 करोड़ रूपये विदेशी मुद्रा का अर्जन हुआ है। इसमें भारी गिरावट आई है। इस स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि भारतीय किसान निकट भविष्य में इतने कम मूल्य पर मैंथॉल का उत्पाद नहीं कर पायेंगे और पूरे भारतीय मैंथॉल उद्योग का भी समापन हो जाएगा। लाखों किसान, मजदूर बेरोजगार हो जायेंगे और आजीविका का बहुत बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा।

मेरा माननीय कृषि मंत्री जी से निवेदन है कि किसानों और भारतीय मैंथॉल उद्योग के हित में सिंथेटिक मैंथॉल आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, निर्यातकों को प्रोत्साहन दिया जाए और भारतीय मैंथॉल की उन्नत प्रजाति यथाशीघ्र उपलब्ध कराने की कृपा करें, जिससे यहॉं का किसान मैंथॉल उत्पादन में प्रति हेक्टेयर में वृद्धि होने पर बाजार की प्रतिस्पर्धा में कम मूल्य पर भी मैंथॉल ऑयल बेचकर अपने परिवार की आजीविका चला सकें।